2025 गणतंत्र दिवस परेड में हरियाणा की झाँकी शामिल

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2025 के गणतंत्र दिवस **परेड** में **हरियाणा की झाँकी** विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की प्रगति को उजागर करेगी, जिसमें जनता को लाभ पहुँचाने वाली सरकारी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **गणतंत्र दिवस परेड में हरियाणा की झाँकी:**
  - झाँकी में कुरुक्षेत्र में **भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन** को दिये गए भगवद् गीता के दिव्य संदेश को दर्शाया जाएगा।
  - **हरियाणा की झाँकी का विषय "समृद्ध हरियाणा- विरासत और विकास"** कुरुक्षेत्र में अपनी ऐतिहासिक जड़ों से लेकर आधुनिक उपलब्धियों तक हरियाणा की यात्रा को दर्शाता है।
- **गणतंत्र दिवस परेड 2025 की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **गणतंत्र दिवस 2025 का विषय 'स्वर्णिम भारत- विरासत और विकास'** है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इसकी प्रगति की निरंतर यात्रा को दर्शाता है।
  - **2025 की गणतंत्र दिवस परेड** में तीनों **सेनाओं की झाँकी** भी शामिल होगी, जिसमें **सशस्त्र बलों** के बीच **सहयोग और एकीकरण की भावना** पर ज़ोर दिया जाएगा। इस झाँकी का विषय **"सशक्त और सुरक्षित भारत"** है।
  - विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की 31 झाँकियाँ इसमें भाग लेंगी, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रगति को दर्शाएँगी।
  - **गणतंत्र दिवस परेड 2025 भारत की सांस्कृतिक विविधता** और **सैन्य शक्ति** का एक अनूठा मिश्रण होगा, जिसमें संविधान लागू होने के **75 वर्ष** और जन भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- **इंडोनेशिया की भागीदारी:**
  - **इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो** परेड के मुख्य अतिथि होंगे।
  - इंडोनेशिया की 160 सदस्यीय मार्चिंग टुकड़ी और 190 सदस्यीय बैंड टुकड़ी भी **भारतीय सशस्त्र बलों के साथ मार्च करेगी।**

गणतंत्र दिवस

- **गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950** को **भारत के संविधान** के अंगीकरण तथा देश के **गणतंत्र** में परिवर्तन की स्मृति में मनाया जाता है, जो **26 जनवरी, 1950** को प्रभावी हुआ।
  - संविधान को **भारत की संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949** को अपनाया गया तथा **26 जनवरी, 1950** को लागू किया गया।
- **26 जनवरी, 1950** को प्रभावी होने पर संविधान ने **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947** और **भारत सरकार अधिनियम, 1935 को** निरस्त कर दिया। भारत ब्रिटिश क्राउन का प्रभुत्व नहीं रहा और संविधान के साथ एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।
- **प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस** पर **भारत के राष्ट्रपति,** जो **राज्य के प्रमुख होते हैं, तिरंगा** फहराते हैं, जबकि **स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर** प्रधानमंत्री, जो केंद्र सरकार का नेतृत्व करते हैं, **राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।**
  - यद्यपि दोनों शब्दों का प्रयोग प्रायः एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है, लेकिन ये तिरंगे को प्रस्तुत करने की भिन्न-भिन्न तकनीकों को दर्शाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/haryanas-table-at-2025-republic-day-parade